दिनांक 03-10-2025 को " कृषि एवं नवाचार तकनीकी आत्मनिर्भरता: समर्थ उत्तर प्रदेश@2047" विषय पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कृषि एवं नवाचार तकनीकी आत्मनिर्भरता : समर्थ उत्तर प्रदेश @2047 पर एक दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न

जनता कॉलेज, बकेवर (इटावा) में "कृषि एवं नवाचार तकनीकी आत्मनिर्भरता : समर्थ उत्तर प्रदेश @2047" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर किया गया। इस कार्यशाला के मुख्य संरक्षक कॉलेज के प्राचार्य प्रो. राजेश किशोर त्रिपाठी ने कहा कि उत्तर प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कृषि एवं तकनीकी नवाचार की दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे, जिससे राज्य के किसान और युवा नई तकनीकों से जुड़कर समृद्धि की ओर अग्रसर हो सकें।मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित प्रो. राजीव कुमार पाठक, विभागाध्यक्ष, कृषि एवं पशुपालन पी.एस.एस.सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ वोकेशनल एजुकेशन, NCERT भोपाल ने कृषि क्षेत्र में तकनीकी नवाचारों की भूमिका पर विस्तृत चर्चा की। अपने सारगर्भित व्याख्यान में उन्होंने कहा कि 2047 तक आत्मनिर्भर और समर्थ उत्तर प्रदेश बनाने में कृषि शिक्षा, तकनीकी अनुसंधान और स्किल डवलपमेंट महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कृषि उत्पादन में जैविक खेती, एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन, जैव उर्वरक और पर्यावरण–अनुकूल तकनीकों को अपनाना अनिवार्य है। पशुपालन और कृषि का समन्वय ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति दे सकता है। डेयरी, पोल्ट्री और फिशरीज जैसे क्षेत्रों में नवाचार से युवाओं के लिए बड़े स्तर पर रोजगार अवसर उत्पन्न हो सकते हैं। डिजिटल तकनीक जैसे – ड्रोन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रिमोट सेंसिंग और ई–मार्केटिंग प्लेटफॉर्म का उपयोग किसानों को सशक्त करेगा। उन्होंने विशेष बल दिया कि युवा शक्ति और ग्रामीण उद्यमिता ही 2047 तक उत्तर प्रदेश को आत्मनिर्भर और समर्थ बनाने की आधारशिला हैं। उन्होंने अपने व्याख्यान के अंत में छात्रों से आह्वान किया कि वे पारंपरिक कृषि से आगे बढ़कर नवाचार, उद्यमिता और तकनीकी हस्तांतरण को अपनाएँ और स्थानीय स्तर पर सफलता की मिसाल स्थापित करें।कार्यक्रम का संचालन डा. मनोज कुमार यादव ने किया। उन्होंने कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि कृषि नवाचार केवल उत्पादकता बढ़ाने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि यह रोजगार सृजन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के सुदृढ़ीकरण का भी आधार बने। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. पी.के. राजपूत ने धन्यवाद ज्ञापन देते हुए सभी अतिथियों, विशेषज्ञों, संकाय सदस्यों एवं छात्रों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर कॉलेज के प्राध्यापक डॉ धर्मेंद्र कुमार, डॉ एमपी सिंह, डॉ आदित्य कुमार, डॉ संजीव कुमार, डॉ संजय विश्वकर्मा, डॉ आनंद सिंह, डॉ डी जे मिश्रा, डॉ विकास अग्निहोत्री, अजय शर्मा, सत्यम गुप्ता, लोकेंद्र प्रताप सिंह एवं 120 छात्र-छात्राओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया और विशेषज्ञों से कृषि नवाचार एवं आत्मनिर्भरता के विभिन्न पहलुओं पर संवाद किया। कार्यशाला का समापन इस संदेश के साथ हुआ कि "नवाचार तकनीक, युवाओं की भागीदारी और कृषि–पशुपालन का संतुलित विकास ही समर्थ उत्तर प्रदेश 2047 की वास्तविक कुंजी है।"

दिनांक 03-10-2025 को " कृषि एवं नवाचार तकनीकी आत्मनिर्भरता: समर्थ उत्तर प्रदेश@2047" विषय पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

. मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित प्रो. राजीव कुमार पाठक, विभागाध्यक्ष, कृषि एवं पशुपालन पी.एस.एस.सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ वोकेशनल एजुकेशन, NCERT भोपाल

दिनांक 03-10-2025 को " कृषि एवं नवाचार तकनीकी आत्मनिर्भरता: समर्थ उत्तर प्रदेश@2047" विषय पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कृषि एवं नवाचार तकनीकी आत्मनिर्भरता समर्थ उत्तर प्रदेश विषय पर हुई एक दिवसीय कार्यशाला

बकेवर इटावा । जनता कॉलेज, बकेवर में कृषि एवं नवाचार तकनीकी आत्मनिर्भरता : समर्थ उत्तर प्रदेश @2047 विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन शुक्रवार को किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर किया गया। इस कार्यशाला के मुख्य संरक्षक कॉलेज के प्राचार्य प्रो. राजेश किशोर त्रिपाठी ने कहा कि उत्तर प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कृषि एवं तकनीकी नवाचार की दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे, जिससे राज्य के किसान और युवा नई तकनीकों से जुड़कर समृद्धि की ओर अग्रसर हो सकें मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित विभागाध्यक्ष, कृषि एवं पशुपालन पी.एस.एस.सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ वोकेशनल एजुकेशन, NCERT भोपाल डॉ राजीव पाठक ने कृषि क्षेत्र में तकनीकी नवाचारों की भूमिका पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि 2047 तक आत्मनिर्भर और समर्थ उत्तर प्रदेश बनाने में कृषि शिक्षा, तकनीकी अनुसंधान और स्किल डवलपमेंट महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कृषि उत्पादन में जैविक खेती, एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन, जैव उर्वरक और पर्यावरण-अनुकूल तकनीकों को अपनाना अनिवार्य है। पशुपालन और कृषि का समन्वय ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति दे सकता है। डेयरी, पोल्ट्री और फिशरीज जैसे क्षेत्रों में नवाचार से युवाओं के लिए बड़े स्तर पर रोजगार अवसर उत्पन्न हो सकते हैं। डिजिटल तकनीक जैसे ड्रोन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रिमोट सेंसिंग और ईइमार्केटिंग प्लेटफार्म का उपयोग किसानों को सशक्त करेगा। उन्होंने विशेष बल दिया कि युवा शक्ति और ग्रामीण उद्यमिता ही 2047 तक उत्तर प्रदेश को आत्मनिर्भर और समर्थ बनाने की आधारशिला है। उन्होंने अपने व्याख्यान के अंत में छात्रों से आन किया कि वे पारंपरिक कृषि से आगे बढ़कर नवाचार, उद्यमिता और तकनीकी हस्तांतरण को अपनाएँ और स्थानीय स्तर पर सफलता की मिसाल स्थापित करें।कार्यक्रम का संचालन डा. मनोज कुमार यादव ने कहा कि कृषि नवाचार केवल उत्पादकता बढ़ाने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि यह रोजगार सृजन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के सुदृढ़ीकरण का भी आधार बने। कार्यक्रम के संयोजक प्रो पी के राजपूत ने धन्दवाद ज्ञापन देते हुए सभी अतिथियों, विशेषज्ञों, संकाय सदस्यों एवं छात्रों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर कॉलेज के प्राध्यापक डॉ धर्मेंद्र कुमार, डॉ एमपी सिंह, डॉ आदित्य कुमार, डॉ संजीव कुमार, डॉ संजय विश्वकर्मा, डॉ आनंद सिंह, डॉ डी जे मिश्रा, डॉ विकास अग्निहोत्री, अजय शर्मा, सत्यम गुप्ता, लोकेंद्र प्रताप सिंह एवं 120 छात्र-छात्राओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया और विशेषज्ञों से कृषि नवाचार एवं आत्मनिर्भरता के विभिन्न पहलुओं पर संवाद किया। कार्यशाला का समापन इस संदेश के साथ हुआ कि नवाचार तकनीक, युवाओं की भागीदारी और कृषिइपशुपालन का संतुलित विकास ही समर्थ उत्तर प्रदेश 2047 की वास्तविक कुंजी है।

दिनांक 03-10-2025 को " कृषि एवं नवाचार तकनीकी आत्मनिर्भरता: समर्थ उत्तर प्रदेश@2047" विषय पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

लगीं संघ की शाखाओं से जरूर जुड़ना

विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कृषि व नवाचार तकनीकी आत्मनिर्भरता विषय पर कार्यशाला

बकेवर, इटावा (स्पष्ट आवाज)। जनता कॉलेज,बकेवर में "कृषि एवं नवाचार तकनीकी आत्मनिर्भरता : समर्थ उत्तर प्रदेश @2047" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन शुक्रवार को किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर किया गया। कार्यशाला के मुख्य संरक्षक कॉलेज के प्राचार्य प्रो. राजेश किशोर त्रिपाठी ने कहा कि उत्तर प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कृषि एवं तकनीकी नवाचार की दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे,जिससे राज्य के किसान और युवा नई तकनीकों से जुड़कर समृद्धि की ओर अग्रसर हो सकें। मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित विभागाध्यक्ष, कृषि एवं पशुपालन पी.एस.एस.सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ वोकेशनल एजुकेशन,NCERT भोपाल डॉ.राजीव पाठक ने कृषि क्षेत्र में तकनीकी नवाचारों की भूमिका पर विस्तृत चर्चा की।उन्होंने कहा कि 2047 तक आत्मनिर्भर और समर्थ उत्तर प्रदेश बनाने में कृषि शिक्षा,तकनीकी अनुसंधान और स्किल डवलपमेंट महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।कृषि उत्पादन में जैविक खेती, एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन, जैव उर्वरक और पर्यावरण–अनुकूल तकनीकों को अपनाना अनिवार्य है। पशुपालन और कृषि का समन्वय ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति दे सकता है।डेयरी,पोल्ट्री और फिशरीज जैसे क्षेत्रों में नवाचार से युवाओं के लिए बड़े स्तर पर रोजगार अवसर उत्पन्न हो सकते हैं।डिजिटल तकनीक जैसे ड्रोन,आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रिमोट सेंसिंग और ई–मार्केटिंग प्लेटफॉर्म का उपयोग किसानों को सशक्त करेगा।उन्होंने विशेष बल दिया कि युवा शक्ति और ग्रामीण उद्यमिता ही 2047 तक उत्तर प्रदेश को आत्मनिर्भर और समर्थ बनाने की आधारशिला हैं। उन्होंने अपने व्याख्यान के अंत में छात्रों से आह्वान किया कि वे पारंपरिक कृषि से आगे बढ़कर नवाचार, उद्यमिता और तकनीकी हस्तांतरण को अपनाएँ और स्थानीय स्तर पर सफलता की मिसाल स्थापित करें।कार्यक्रम का संचालन कर रहे डा.मनोज कुमार यादव ने कहा कि कृषि नवाचार केवल उत्पादकता बढ़ाने तक सीमित नहीं होना चाहिए।

P HIN/2004/13625 डाक पंजीयन संख्या- SSP/LW/NP-119/2010-12 *संपादक-